कोर्स:- बी.ए. (भाग- I)

विषय: - राजनीति विज्ञान

ऑनलाइन क्लासनोट्स संख्या: - ०2

(कोरोनोवायरस महामारी के कारण कक्षाओं के नुकसान के बदले में क्लास नोट्स)

(ऑनर्स and subsidiary के पाठ्यक्रम के लिए प्रासंगिक)

दबाव समूह (PRESSURE GROUPS): मतलब और विशेषताएं

परिचय

- किसी भी राजनीतिक प्रणाली की सफलता उसके कामकाज में निहित जनमत की मात्रा पर निर्भर करती है।
- यदि जनता की चिंताओं और शिकायतों को ध्यान में रखा जाता है, तो सरकार जनता के सहयोग से सुचारू रूप से कार्य करती है।
- हालांकि, अगर इसे नजरअंदाज किया जाता है तो लोकतांत्रिक व्यवस्था तानाशाही में बदलने के संकेत देने लगती है।
- इसलिए, लोकतंत्र में अनिवार्य रूप से जनता की राय को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।
- जिन्सबर्ग ने जनता की राय को "विचारों और निर्णयों के ढेर ... लोगों द्वारा महसूस किया गया" के रूप में परिभाषित किया है।

- लोकतंत्र में जनता की राय व्यक्त करने के लिए कई आउटलेट हैं। सबसे प्रत्यक्ष तरीका चुनाव है जहां मत के आधार पर मतदाताओं ने राष्ट्र में लोकतांत्रिक सरकार बनाने के लिए अपने वोट डाले।
- हालांकि, अन्य अप्रत्यक्ष तरीके भी हैं जिनके माध्यम से जनता की राय इसकी अभिव्यक्ति पाती है। इनमें प्रेस, इलेक्ट्रॉनिक मास मीडिया, राजनीतिक दल, शैक्षणिक संस्थान, सार्वजनिक बैठकें आदि शामिल हैं।
- दबाव समूह या रुचि समूह केंद्रीय आउटलेट्स में से एक हैं जो जनता की राय व्यक्त करने में केंद्रीय भूमिका निभाते हैं।
- वे, हालांकि, बड़े जनमत को व्यक्त नहीं करते हैं, लेकिन राज्य और समाज के प्रतिनिधित्व वाले वर्गों की विशिष्ट राय और शिकायतों को संबोधित करते हैं।
- वे ऐसा सोच-समझकर, जागरूकता को बढ़ावा देकर और संबंधित मुद्दों पर सदस्यों के विचारों को आमंत्रित करके करते हैं।
- वास्तव में, कभी-कभी, वे अपनी चिंताओं को पूरा करने और अपने हितों को पूरा करने के लिए सरकार पर दबाव डालने के लिए वैधता हासिल करने के लिए अपने विशिष्ट हितों के पक्ष में बड़े पैमाने पर जनमत तैयार करने, ढालना और प्रभावित करने का प्रयास करते हैं।

<u>दबाव समूह: अर्थ</u>

- दबाव समूह संगठनों के रूप हैं, जो किसी देश की प्रशासनिक और राजनीतिक प्रणाली पर दबाव डालते हैं ताकि वे अपने हितों की उन्नति के लिए इससे लाभ उठा सकें।
- कोई भी समूह जो सरकार के औपचारिक नियंत्रण हासिल करने की कोशिश किए बिना किसी भी राजनीतिक अधिकारी के साथ-साथ प्रशासनिक, दोनों के आचरण और कार्यों को चलाने का प्रयास करता है, उसे एक दबाव समूह कहा जा सकता है।
- सिविल सोसाइटी संगठन दबाव समूहों का एक शक्तिशाली उदाहरण हैं।
- परिभाषा में 'दबाव समूह' शब्द किसी भी रुचि समूह को संदर्भित करता है, जिनके सदस्य साझा साझा विशेषताओं के कारण स्वयं को व्यवस्थित करते हैं और परिणामस्वरूप, सरकार को यह सुनिश्चित करने के लिए प्रभावित करते हैं कि सरकार के कानून और नीतियां उनके हितों के अनुकूल हैं।

- रिचर्ड डी लैम्बर्ट ने दबाव समूहों को अनौपचारिक सरकार कहा है क्योंकि वे सार्वजनिक नीति के साथ-साथ राज्य के प्रशासन को प्रभावित करते हैं और सरकार और समाज के राजनीतिक ढांचे को आकार देने में योगदान करते हैं।

दबाव समूहों की विशेषताएं:

- वे संगठित समूह हैं
- प्रत्येक दबाव समूह कुछ हितों पर आधारित है
- वे अपने सदस्यों के सामूहिक हित का प्रतिनिधित्व करने के लिए काम करते हैं
- इस प्रक्रिया में प्रतिस्पर्धा के दबाव समूह अक्सर एक राजनीतिक प्रणाली में टकराते हैं
- उनकी कार्यप्रणाली है:
    - ❖ अपने समूह के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सरकार में सत्ता की स्थिति रखने वालों के निर्णय लेने का प्रभाव। इस लक्ष्य की ओर, वे सार्वजनिक अधिकारियों को अपने समूह हितों के लिए लाभकारी नीतियों को अपनाने के लिए आगे बढ़ाते हैं।
    - ❖ वे चुनाव नहीं लड़ते हैं या सरकार बनाने में भाग नहीं लेते हैं, लेकिन फिर भी राजनीतिक दलों के वित्त पोषण या चुनाव के समय अपने करीबी उम्मीदवारों को प्रायोजित करने जैसे अप्रत्यक्ष तरीकों से अपने विशिष्ट हितों को प्राप्त करने के लिए राजनीतिक प्रणाली का उपयोग करते हैं।
    - ❖ वे सकारात्मक गति और प्रेस हासिल करने के लिए बड़े लोगों के बीच भी अपने हितों को उजागर करते हैं। वे अप्रत्यक्ष रूप से सरकार को प्रभावित करने के उद्देश्य से ऐसा करते हैं क्योंकि लोकतंत्र में सरकार को जनता की राय को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

रुचि समूहों (Interest groups) और दबाव समूहों (Pressure groups) के बीच अंतर

- भले ही रुचि समूहों के साथ शब्द दबाव समूहों का परस्पर विनिमय किया जाता है, फिर भी दोनों के बीच अंतर है।
- रुचि समूह विशिष्ट उद्देश्यों वाले समूह हैं। जब सरकार पर दबाव बढ़ाने का तत्व तह में आता है, तो वे दबाव समूह बन जाते हैं।

- रुचि समूहों को दो श्रेणियों में विभाजित किया गया है: अनुभागीय और प्रचार।
- अनुभागीय समूह अपने सदस्यों के हित की रक्षा या उनका प्रचार करते हैं क्योंकि उनके प्रमुख कार्य और प्रचार समूह विशिष्ट मुद्दों के लिए लड़कर विशेष परिवर्तन प्राप्त करना चाहते हैं।
- अनुभागीय समूह व्यक्तियों के अनुभागीय हितों की रक्षा करते हैं, अक्सर उनके स्वयं के सदस्य जबकि प्रचार समूह किसी न किसी प्रकार के कारण को बढ़ावा देते हैं।
- अनुभागीय समूह का उदाहरण इंडियन मेडिकल एसोसिएशन है और प्रचार समूह का उदाहरण परमाणु निरस्त्रीकरण (CND) और ग्रीनपीस के लिए अभियान है।
- अनुभागीय समूहों का प्रभाव अधिक मजबूत है क्योंकि यह सरकार के लिए एक संवैधानिक सम्मेलन बन गया है कि कानून लागू करने से पहले उनसे परामर्श करें जो उनके हितों को प्रभावित कर सकते हैं।
- रुचि समूहों को इनसाइडर इंटरेस्ट ग्रुप और आउटसाइडर इंटरेस्ट ग्रुप में भी विभाजित किया गया है।
- अंदरूनी हित समूह सरकार को नियमित रूप से संस्थागत पहुंच का आनंद लेते हैं जबकि बाहरी हित समूह ऐसी पहुंच का आनंद नहीं लेते हैं।

<u>राजनीतिक दलों और दबाव समूहों के बीच अंतर</u>

- राजनीतिक दलों और दबाव समूहों के बीच मूलभूत अंतर यह है कि पूर्व मुख्य रूप से वैचारिक तर्ज पर आयोजित किया जाता है। वे ऐसे संघ हैं जहाँ राष्ट्र के लिए अपनी वैचारिक दृष्टि को साकार करने के लिए चुनावी लाभ के लिए जनसमूह जुटाने के लिए प्रशिक्षित कैडर बनाए जाते हैं।
- दूसरी ओर दबाव समूहों को केवल उनकी वैचारिक संबद्धता के आधार पर परिभाषित नहीं किया गया है। वे राज्य में चुनाव लड़कर सीधे सरकार बनाने के बजाय सरकार को प्रभावित करके राष्ट्र के लिए अपने दृष्टिकोण को प्राप्त करने का प्रयास करते हैं। इसलिए वे अक्सर राजनीतिक दलों की तरह प्रशिक्षित कैडर के अधिकारी नहीं हो सकते हैं।

- जबकि राजनीतिक दलों का गठन सामान्य रूप से नागरिकों द्वारा सामना किए जाने वाले बड़े मुद्दों को संबोधित करने के लिए किया जाता है, दबाव समूहों को इसके सदस्य नागरिकों की तत्काल समस्याओं को हल करने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।
- कुछ वर्षों के अंतराल में राजनीतिक दल न तो बने हैं और न ही विघटित हुए हैं। वे पीढ़ियों के माध्यम से राष्ट्रों की सेवा करने के लिए अधिक दीर्घावधि हैं, जबकि दबाव समूहों का गठन कम समय के लिए किया जा सकता है जो अक्सर समाज के किसी विशेष वर्ग द्वारा सामना की जाने वाली किसी विशेष समस्या या स्थिति को संबोधित करने के लिए होते हैं। इसलिए, यदि वे दीर्घकालिक कार्यक्रम नहीं करते हैं, तो वे भी विघटित हो सकते हैं। हालांकि, एक राजनीतिक दल की तरह एक दबाव समूह भी लंबे समय तक कार्य कर सकता है यदि पतवार में एक मजबूत नेतृत्व हो।
- यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि राजनीतिक दल कई बार एक दबाव समूह के रूप में भी कार्य करते हैं जब तत्काल संदर्भ में वे अपने सामाजिक आधार के हित की सेवा करते हैं और सरकार से अपने समूह के लिए लाभ निकालते हैं। यह बहुत संभव है जब केंद्र या राज्य में सत्ता में सरकार सत्ताधारी राजनीतिक दल की हो।
- उल्लेखनीय अंतर:
    - ❖ राजनीतिक दल प्रकृति में राजनीतिक हैं जबकि दबाव समूह गैर-राजनीतिक हैं।
    - ❖ राजनीतिक दल सामान्य सदस्यता के लिए औपचारिक, संगठित और खुले हैं जबकि दबाव समूह अनौपचारिक, बंद और असंगठित समूह हैं
    - ❖ राजनीतिक दल नागरिकों के दोनों बड़े और विशिष्ट हितों का प्रतिनिधित्व करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जबकि दबाव समूहों के विशिष्ट और सीमित उद्देश्य हैं जो मुख्य रूप से अपने सदस्यों का प्रतिनिधित्व करते हैं
    - ❖ राजनीतिक दल चुनाव लड़कर राजनीतिक शक्ति चाहते हैं जबकि दबाव समूह चुनाव नहीं लड़ते हैं

Note (ध्यान दें): -

- प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 150-200 शब्दों में लिखें।
- अपने हाथ से लिखे या टाइप किए गए उत्तर ईमेल पर भेजें या इसे गूगल कक्षाएं (Google Class) पर अपलोड करें।

Questions (प्रश्न): -

1. दबाव समूहों के अर्थ और मुख्य विशेषताएं बताएं।
2. अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए राजनीतिक प्रक्रिया में दबाव समूहों द्वारा नियोजित तरीके क्या हैं?
3. चर्चा करें कि दबाव समूह राजनीतिक दलों से कैसे भिन्न हैं?
4. दबाव समूहों और रुचि समूहों में अंतर कैसे करें?